रविवार **5** जुलाई, **2026**

विषय — परमेश्वर

स्वर्ण पाठ: भजन संहिता **52: 1**

"ईश्वर की करूणा तो अनन्त है।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता **19: 1-3, 7, 8**

भजन संहिता **20: 5-7**

1 आकाश ईश्वर की महिमा वर्णन कर रहा है; और आकशमण्डल उसकी हस्तकला को प्रगट कर रहा है।
2 दिन से दिन बातें करता है, और रात को रात ज्ञान सिखाती है।
3 न तोकोई बोली है और न कोई भाषा जहां उनका शब्द सुनाई नहीं देता है।
7 यहोवा की व्यवस्था खरी है, वह प्राण को बहाल कर देती है; यहोवा के नियम विश्वासयोग्य हैं, साधारण लोगों को बुद्धिमान बना देते हैं;
8 यहोवा के उपदेश सिद्ध हैं, हृदय को आनन्दित कर देते हैं; यहोवा की आज्ञा निर्मल है, वह आंखों में ज्योति ले आती है;
5 तब हम तेरे उद्धार के कारण ऊंचे स्वर से हर्षित होकर गाएंगे, और अपने परमेश्वर के नाम से झण्डे खड़े करेंगे। यहोवा तुझे मुंह मांगा वरदान दे्
6 अब मैं जान गया कि यहोवा अपने अभिषिक्त का उद्धार करता है; वह अपने दाहिने हाथ के उद्धार करने वाले पराक्रम से अपने पवित्र स्वर्ग पर से सुनकर उसे उत्तर देगा।
7 किसी को रथों को, और किसी को घोड़ों का भरोसा है, परन्तु हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही का नाम लेंगे।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. भजन संहिता **99: 5**

5 हमारे परमेश्वर यहोवा को सराहो; और उसके चरणों की चौकी के साम्हने दण्डवत करो! वह पवित्र है!

2. निर्गमन **3: 1-7, 10, 13, 14**

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

1 मूसा अपके ससुर यित्रो नाम मिद्यान के याजक की भेड़-बकरियोंको चराता या; और वह उन्हें जंगल की
परली ओर होरेब नाम परमेश्वर के पर्वत के पास ले गया।
2 और परमेश्वर के दूत ने एक कटीली फाड़ी के बीच आग की लौ में उसको दर्शन दिया; और उस ने दृष्टि
उठाकर देखा कि फाड़ी जल रही है, पर भस्म नहीं होती।
3 तब मूसा ने सोचा, कि मैं उधर फिरके इस बड़े अचम्भे को देखूंगा, कि वह फाड़ी क्योंनहीं जल जाती।
4 जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है, तब परमेश्वर ने फाड़ी के बीच से उसको पुकारा,
कि हे मूसा, हे मूसा। मूसा ने कहा, क्या आज्ञा।
5 उस ने कहा इधर पास मत आ, और अपके पांवोंसे जूतियोंको उतार दे, क्योंकि जिस स्यान पर तू खड़ा है
वह पवित्र भूमि है।
6 फिर उस ने कहा, मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और इब्राहीम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब
का परमेश्वर हूं। तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर निहारने से डरता या अपना मुंह ढ़ाप लिया।
7 फिर यहोवा ने कहा, मैं ने अपक्की प्रजा के लोग जो मिस्र में हैं उनके दु:ख को निश्चय देखा है, और उनकी
जो चिल्लाहट परिश्रम करानेवालोंके कारण होती है उसको भी मैं ने सुना है, और उनकी पीड़ा पर मैं ने चित्त
लगाया है।
10 इसलिथे आ, मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूं कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र से निकाल ले आए।
13 मूसा ने परमेश्वर से कहा, जब मैं इस्राएलियोंके पास जाकर उन से यह कहूं, कि तुम्हारे पितरोंके परमेश्वर ने
मुझे तुम्हारे पास भेजा है, तब यदि वे मुझ से पूछें, कि उसका क्या नाम है? तब मैं उनको क्या बताऊं?
14 परमेश्वर ने मूसा से कहा, मैं जो हूं सो हूं। फिर उस ने कहा, तू इस्राएलियोंसे यह कहना, कि जिसका नाम मैं
हूं है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।

3. निर्गमन 4: 1-8, 10-12

1 तब मूसा ने उतर दिया, कि वे मेरी प्रतीति न करेंगे और न मेरी सुनेंगे, वरन कहेंगे, कि यहोवा ने तुझ को
दर्शन नहीं दिया।
2 यहोवा ने उससे कहा, तेरे हाथ में वह क्या है? वह बोला, लाठी।
3 उसने कहा, उसे भूमि पर डाल दे; जब उसने उसे भूमि पर डाला तब वह सर्प बन गई, और मूसा उसके
साम्हने से भागा।
4 तब यहोवा ने मूसा से कहा, हाथ बढ़ाकर उसकी पूंछ पकड़ तब उसने हाथ बढ़ाकर उसको पकड़ा तब वह
उसके हाथ में फिर लाठी बन गई।
5 वे लोग प्रतीति करें कि तुम्हारे पितरों के परमेश्वर अर्थात इब्राहीम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर, और
याकूब के परमेश्वर, यहोवा ने तुझ को दर्शन दिया है।
6 फिर यहोवा ने उससे यह भी कहा, कि अपना हाथ छाती पर रखकर ढांप। सो उसने अपना हाथ छाती पर
रखकर ढांप लिया; फिर जब उसे निकाला तब क्या देखा, कि उसका हाथ कोढ़ के कारण हिम के समान
श्वेत हो गया है।
7 तब उसने कहा, अपना हाथ छाती पर फिर रखकर ढांप। और उसने अपना हाथ छाती पर रखकर ढांप
लिया; और जब उसने उसको छाती पर से निकाला तब क्या देखता है, कि वह फिर सारी देह के समान हो
गया।

8 तब यहोवा ने कहा, यदि वे तेरी बात की प्रतीति न करें, और पहिले चिन्ह को न मानें, तो दूसरे चिन्ह की प्रतीति करेंगे।
10 मूसा ने यहोवा से कहा, हे मेरे प्रभु, मैं बोलने में निपुण नहीं, न तो पहिले था, और न जब से तू अपने दास से बातें करने लगा; मैं तो मुंह और जीभ का भद्दा हूं।
11 यहोवा ने उससे कहा, मनुष्य का मुंह किस ने बनाया है? और मनुष्य को गूंगा, वा बहिरा, वा देखने वाला, वा अन्धा, मुझ यहोवा को छोड़ कौन बनाता है?
12 अब जा, मैं तेरे मुख के संग हो कर जो तुझे कहना होगा वह तुझे सिखलाता जाऊंगा।

4. इब्रानियों 11: 1-3, 6, 24-27, 32-34

1 अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।
2 क्योंकि इसी के विषय में प्राचीनों की अच्छी गवाही दी गई।
3 विश्वास ही से हम जान जाते हैं, कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है। यह नहीं, कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना हो।
6 और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आने वाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजने वालों को प्रतिफल देता है।
24 विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया।
25 इसलिये कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना और उत्तम लगा।
26 और मसीह के कारण निन्दित होने को मिसर के भण्डार से बड़ा धन समझा: क्योंकि उस की आंखे फल पाने की ओर लगी थीं।
27 विश्वास ही से राजा के क्रोध से न डर कर उस ने मिसर को छोड़ दिया, क्योंकि वह अनदेखे को मानों देखता हुआ दृढ़ रहा।
32 अब और क्या कहूँ क्योंकि समय नहीं रहा, कि गिदोन का, और बाराक और समसून का, और यिफतह का, और दाऊद का और शामुएल का, और भविष्यद्वक्ताओं का वर्णन करूं।
33 इन्होंने विश्वास ही के द्वारा राज्य जीते; धर्म के काम किए; प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएं प्राप्त की, सिंहों के मुंह बन्द किए।
34 आग की ज्वाला को ठंडा किया; तलवार की धार से बच निकले, निर्बलता में बलवन्त हुए; लड़ाई में वीर निकले; विदेशियों की फौजों को मार भगाया।

5. भजन संहिता 42: 5, 8 (भगवान)

5 हे मेरे प्राण तू क्यों गिरा जाता है? तू अन्दर ही अन्दर क्यों व्याकुल है? परमेश्वर पर भरोसा रख; क्योंकि वह मेरे मुख की चमक और मेरा परमेश्वर है, मैं फिर उसका धन्यवाद करूंगा।
8 ...यहोवा अपनी शक्ति और करूणा प्रगट करेगा; और रात को भी मैं उसका गीत गाऊंगा, और अपने जीवन दाता ईश्वर से प्रार्थना करूंगा॥

6. भजन संहिता 106: 48

48 इस्राएल का परमेश्वर यहोवा अनादिकाल से अनन्तकाल तक धन्य है! और सारी प्रजा कहे आमीन! याह की स्तुति करो॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 587: 5-8

परमेश्वर। मैं जो महान हूं; सर्व-ज्ञान, सर्व-दर्शन, सर्व-कार्य, सर्व-ज्ञान, सर्व-प्रिय और शाश्वत; सिद्धांत; मन; अन्त: मन; आत्मा; जिंदगी; सत्य; प्रेम; सभी पदार्थ; बुद्धि।

2. 286: 16-20

सैक्सन और बीस अन्य जीभों में भगवान के लिए अच्छा शब्द है। पवित्रशास्त्र ने वह सब घोषित किया, जो उसने स्वयं के लिए अच्छा माना, जैसे - सिद्धांत में अच्छा और विचार में। इसलिए आध्यात्मिक ब्रह्मांड अच्छा है, और भगवान को दर्शाता है जैसे वह है।

3. 330 : 25 (धारणा)-27

यह धारणा कि बुराई और भलाई दोनों वास्तविक हैं, भौतिक अर्थों का भ्रम है, जिसे विज्ञान ने समाप्त कर दिया है। बुराई कुछ भी नहीं है, कोई बात नहीं, मन, और न ही शक्ति।

4. 113: 9-25

दिव्य तत्त्वमीमांसा की मूल बातें नीचे दिए गए चार, मेरे लिए, स्वयं स्पष्ट साफ़ प्रस्तावों में बताई गई हैं। अगर इसे उल्टा भी किया जाए, तो भी ये प्रस्ताव कथन और प्रमाण में एक जैसी पाई जाएंगी, गणितानुसार जो सत्य के साथ सटीक रिश्ता दिखाता है। डी क्विंसी का कहना है कि गणित का कोई आधार नहीं है जो पूरी तरह से तात्त्विक नहीं है।

1. ईश्वर सर्वव्यापी है।

2. ईश्वर अच्छा है। ईश्वर मन है।

3. ईश्वर, आत्मा, सब कुछ होने के कारण, कुछ भी पदार्थ नहीं है।

4. जीवन, ईश्वर, सर्वशक्तिमान अच्छाई, मृत्यु, बुराई, पाप, रोग को नकारें। रोग, पाप, बुराई, मृत्यु, अच्छाई, सर्वशक्तिमान ईश्वर, जीवन को नकारते हैं।

प्रस्ताव चार में, इनमें से कौन सा इनकार सही है? दोनों सच नहीं हैं और न ही हो सकते हैं। पवित्र शास्त्र के अनुसार, मुझे लगता है कि परमेश्वर सच्चा है, "लेकिन हर [मनुष्य] झूठा है।"

5. 387: 27-32

ईसाइयत का इतिहास अपने स्वर्गीय पिता, सर्वशक्तिमान मन, द्वारा मनुष्य पर समर्थित शक्ति और रक्षा शक्ति के उदात्त प्रमाण प्रस्तुत करता है, जो मनुष्य को विश्वास और समझ प्रदान करता है जिससे वह खुद का बचाव करता है, न केवल प्रलोभन से, बल्कि शारीरिक से।

6. 200: 4-7

मूसा ने एक राष्ट्र को पदार्थ के बजाय आत्मा में ईश्वर की पूजा करने के लिए आगे बढ़ाया, और अमर मन द्वारा प्रदान की जाने वाली भव्य मानवीय क्षमताओं का वर्णन किया।

7. 321: 6-2

हिब्रू लॉजिवर, भाषण की धीमी गति, लोगों को यह समझने में निराश करती है कि उसे क्या बताया जाना चाहिए। जब, अपने डंडे को गिराने के लिए प्रज्ञा ने नेतृत्व किया, तो उसने देखा कि यह नागिन बन गई है, इससे पहले मूसा भाग गया; लेकिन ज्ञान ने उसे वापस आकर सर्प को संभाल लिया, और तब मूसा का भय दूर हो गया। इस घटना में विज्ञान की वास्तविकता देखी गई थी। बात को केवल एक विश्वास के रूप में दिखाया गया था। ज्ञान की बोली के तहत नागिन, दुष्ट, दिव्य विज्ञान को समझने के माध्यम से नष्ट हो गया था, और यह सबूत एक कर्मचारी था जिस पर झुकना था। मूसा के भ्रम ने उसे खतरे में डालने की अपनी शक्ति खो दी, जब उसने पाया कि उसने जो स्पष्ट रूप से देखा था वह वास्तव में था लेकिन नश्वर विश्वास का एक चरण था।

यह वैज्ञानिक रूप से प्रदर्शित किया गया था कि कुष्ठ रोग नश्वर मन का निर्माण था और न ही पदार्थ की स्थिति, जब मूसा ने पहली बार उसकी छाती पर हाथ रखा और उसे भयानक बीमारी के साथ बर्फ की तरह सफ़ेद कर दिया, और वर्तमान में एक ही सरल प्रक्रिया द्वारा अपनी प्राकृतिक स्थिति के लिए अपने हाथ को बहाल किया। ईश्वरीय विज्ञान में इस प्रमाण से ईश्वर ने मूसा का भय कम कर दिया था, और भीतर की आवाज़ उसे ईश्वर की आवाज़ बन गई, जिसने कहा: "यदि वे तेरी बात की प्रतीति न करें, और पहिले चिन्ह को न मानें, तो दूसरे चिन्ह की प्रतीति करेंगे।" और इसलिए यह आने वाली शताब्दियों में था, जब यीशु द्वारा विज्ञान का प्रदर्शन किया जा रहा था, जिसने अपने छात्रों को शराब में पानी बदलकर माइंड की शक्ति को दिखाया, और उन्हें सिखाया कि कैसे नागों को संभाला जाए, बीमारों को ठीक किया जाए और बुराइयों को बाहर निकाला जाए। मन की सर्वोच्चता के प्रमाण में।

8. 323: 13-18 (से ;)

अधिक जानने के लिए, हमें जो पहले से जानते हैं उसे व्यवहार में लाना चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि सत्य को समझने पर प्रदर्शित किया जा सकता है और उस अच्छे को तब तक नहीं समझा जा सकता जब तक कि प्रदर्शित न हो जाए। यदि हम "थोड़े में विश्वासयोग्य' रहें, तो हम बहुतों के अधिकारी बनाये जायेंगे

9. 215: 15-21

कभी-कभी हमें यह विश्वास दिला दिया जाता है कि अंधकार भी उतना ही वास्तविक है जितना कि प्रकाश; लेकिन विज्ञान इस बात की पुष्टि करता है कि अंधकार केवल प्रकाश की अनुपस्थिति का एक नश्वर भाव है, जिसके आने पर अंधकार वास्तविकता का आभास खो देता है। तो पाप और दुःख, बीमारी और मृत्यु, जीवन, ईश्वर की अनुमानित अनुपस्थिति हैं, और सत्य और प्रेम के सामने त्रुटि के प्रेत के रूप में भागते हैं।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

10. 381: 4-19

इस भ्रम को सहने के लिए तैयार न हों कि आप बीमार हैं या आपके सिस्टम में कोई बीमारी विकसित हो रही है, जैसे कि आप पाप के प्रलोभन के आगे इस आधार पर झुक जाते हैं कि पाप की अपनी ज़रूरतें हैं।

कुछ कथित कानून का उल्लंघन करते समय, आप कहते हैं कि खतरा है। यह डर खतरा है और शारीरिक प्रभावों को प्रेरित करता है। हम वास्तव में एक नैतिक या आध्यात्मिक कानून को छोड़कर कुछ भी तोड़ने से पीड़ित नहीं हो सकते। नश्वर विश्वास के तथाकथित नियम आत्मा को अमर होने की समझ से नष्ट हो जाते हैं, और वह नश्वर मन समय, काल, और प्रकार के रोग का विधान नहीं कर सकता, जिसके साथ नश्वर मर जाते हैं। परमेश्वर कानूनविद् है, लेकिन वह भयंकर संहिताओं का लेखक नहीं है। अनंत जीवन और प्रेम में कोई बीमारी, पाप, मृत्यु नहीं है, और शास्त्र घोषणा करते हैं कि हम अनंत भगवान में रहते हैं, चलते हैं, और हमारे पास हैं।

11. 243: 25 (सच)-4

सत्य में त्रुटि की कोई चेतना नहीं है। प्रेम में घृणा का भाव नहीं होता। जीवन का मृत्यु से कोई संबंध नहीं है। सत्य, जीवन और प्रेम अपने से भिन्न हर चीज के विनाश का नियम हैं, क्योंकि वे ईश्वर के अलावा कुछ भी घोषित नहीं करते हैं।

बीमारी, पाप और मृत्यु जीवन का फल नहीं हैं। वे ऐसे लोग हैं जो सत्य को नष्ट कर देते हैं। पूर्णता अपूर्णता को चेतन नहीं करती है। भगवान जितना अच्छा है और सभी का स्रोत है, वह नैतिक या शारीरिक विकृति उत्पन्न नहीं करता है, लेकिन इस तरह की विकृति वास्तविक नहीं है, लेकिन भ्रम है, त्रुटि का मतिभ्रम। दिव्य विज्ञान इन भव्य तथ्यों का खुलासा करता है।

12. 278: 32-5

हमारे लिए कौन सा पदार्थ होना चाहिए, — ग़लती से, बदलते हुए, परिवर्तनशील और नश्वर, या बेरोकटोक, अपरिवर्तनीय और अमर चीज़? एक नए नियम का लेखक स्पष्ट रूप से विश्वास का वर्णन करता है, मन का एक गुण, "आशा की गई वस्तुओं का सार" के रूप में।

13. 368: 14-19

प्रयास जब हम त्रुटि में होने की तुलना में अधिक विश्वास करते हैं, तो हम आत्मा में अधिक विश्वास रखते हैं, बात करने की तुलना में अधिक विश्वास करते हैं, मरने की तुलना में जीने में अधिक विश्वास करते हैं, मनुष्य की तुलना में भगवान में अधिक विश्वास करते हैं, तब कोई भी भौतिक दमन हमें बीमार होने और त्रुटि को नष्ट करने से नहीं रोक सकता।

14. 473: 7-10

ईश्वर-तत्त्व सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। ईश्वर हर जगह है, और उसके बिना कुछ भी मौजूद नहीं है या उसकी कोई शक्ति नहीं है।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6